संवाद पत्र

पूर्वोत्तर सीमा रेल
निर्माण संगठन

अंक 41 | वर्ष : एकादश | त्रैमासिक | जनवरी, 2017

'रेल विकास शिविर' के समग्र प्रस्तुतीकरण में निर्माण संगठन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी 25 से 27 नवंबर 2016 तक रेल विकास शिविर के माध्यम से एक बौद्धिक बैठक के जरिए 400 से अधिक कर्मचारियों से व्यक्तिगत रूप से तथा 20,000 कर्मचारियों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए संवाद किया। इस बैठक का उद्देश्य था रेल संगठन में अभीनव परिवर्तन एवं व्यवहारिक विचारों को उत्पन्न कर भारतीय रेल को, वाणीज्यिक तथा सामाजिक पहलुओं को ध्यान में रखते हुए, एक विश्व स्तरीय संगठन में रूपांतरित करना। इस बौद्धिक बैठक के अंतर्गत सूरजकुंड, नई दिल्ली में दिनांक 17.11.2016 से 20.11.2016 तक आयोजित 'रेल विकास शिविर' में पूर्वोत्तर सीमा रेल (निर्माण) ने भाग लिया जहां भारत के प्रधानमंत्री, केंद्रीय रेलमंत्री तथा अन्य गण्यमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। पूर्वोत्तर सीमा रेल (निर्माण) ने 'रेल विकास शिविर' के समग्र प्रस्तुतीकरण में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

संरक्षक
श्री एच. के. जग्गी
महाप्रबंधक/निर्माण

मुख्य संपादक
श्री अनिल कुमार
मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि.

संपादक
श्री रवि भूषण
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि.

सहयोग
श्रीमती रंजु झा
वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी/नि.

सुरक्षा सुरंग व सबसे लम्बे सुरंग सं.12 के पोर्टल सं.2 का शिलान्यास समारोह तथा तुपुल रेलवे स्टेशन भवन का शिलान्यास

श्री सुरेश प्रभाकर प्रभु, केंद्रीय रेलमंत्री ने श्री राजेन गोहाईं, केंद्रीय रेल राज्यमंत्री तथा अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों के साथ दिनांक 12.11.2016 को जिरिबाम-इंफाल नई लाइन परियोजना (110.625 कि.मी.) के तुपुल स्टेशन भवन एवं सुरंग संख्या-12 के सुरक्षा सुरंग का शिलान्यास किया और सुरंग संख्या-12 के पोर्टल-2 कार्य का शुभारंभ किया । तुपुल-इम्फाल नई बड़ी लाइन पर सुरंग सं.12 भारत का सबसे लम्बा सुरंग है। इसकी लम्बाई 11.55 कि.मी. होगी जो बनिहल-कजिगुंड लाइन पर स्थित प्रसिद्ध पिर पंजंल सुरंग से भी अधिक है। 111 कि.मी. जिरिबाम-तुपुल-इम्फाल नई बड़ी लाइन रेल परियोजना को वर्ष 2008 में प्रारंभ किया गया था तथा इसके महत्व को देखते हुए इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया गया। इस लाइन के 12.5 कि.मी. जिरिबाम-धोलाखाल सेक्शन को पूरा कर के मार्च 2016 में इसे माल गाड़ियों के लिए शुभारंभ किया गया। 84 कि.मी. जिरिबाम-तुपुल सेक्शन में इस वर्ष अक्टूबर समाप्ति तक 37 सुरंगों में से 29 सुरंगों को पूरा कर लिया गया है। तुपुल-इम्फल सेक्शन के सुरंग सं. 12 मणिपुर के दो जिलाओं में स्थित है यथा सेनापति तथा इम्फाल पश्चिम जिला और यह इम्फाल घाटी के पश्चिम में स्थित है। यह सुरंग हावचंग-इम्फाल ब्लॉक सेक्शन के बीच में स्थित है । इस सुरंग का निर्माण नई अस्ट्रीयन सुरंगीकरण पद्धति (NATM) के अनुसार किया जा रहा है ।

रेल राज्यमंत्री का दौरा मालीगांव में

श्री सुरेश प्रभाकर प्रभु, केंद्रीय रेलमंत्री एवं श्री राजेन गोहाईं, केंद्रीय रेल राज्यमंत्री ने श्री बनवारी लाल पुरोहित, महामहिम राज्यपाल असम, श्री सर्वानंद सोनोवाल, मुख्यमंत्री असम के साथ दिनांक 10.11.2016 को मालीगांव, गुवाहाटी में रानीनगर जलपाईगुड़ी-गुवाहाटी सेक्शन के बीच रेलवे विद्युतीकरण, न्यू बंगाईगांव-ग्वालपाड़ा-गुवाहाटी दोहरीकरण (176.00 कि.मी.) तथा डिगारू-होजाई (102 कि.मी.) दोहरीकरण का शिलान्यास किया और मैशासन-करीमगंज-सिलचर यात्री गाड़ी का रिमोट द्वारा शुभारंभ किया।

रेलमंत्री द्वारा शिलान्यास

श्री सुरेश प्रभाकर प्रभु, केंद्रीय रेलमंत्री ने श्री राजेन गोहाईं, केंद्रीय रेल राज्यमंत्री तथा अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों के साथ दिनांक 11.11.2016 को सैरंग में भैरवी-सैरंग नई लाइन परियोजना (51.38 कि.मी.) के सैरंग आईजोल स्टेशन भवन का शिलान्यास किया।

रेल राज्यमंत्री का दौरा

दिनांक 31.10.2016 को श्री राजेन गोहाईं, माननीय रेल राज्यमंत्री ने अन्य प्रतिनिधियों के साथ तुपुल-इंफाल नई लाइन परियोजना का दौरा किया। वे सुरंग संख्या 12 का भी दौरा किया (भारत में सबसे लंबे रेल सुरंग, जो कि 11.55 कि.मी. लंबा) और जिरिबाम-तुपुल-इंफाल परियोजना की प्रगति की समीक्षा की।

करीमगंज-मैशासन (10.00 कि.मी.) सीआरएस निरीक्षण पूरा किया

दिनांक 22.10.2016 को करीमगंज-मैशासन (10.00 कि.मी.) सीआरएस निरीक्षण पूरा किया गया और दिनांक 27.10.2016 को 75 कि.मी. प्रति घंटे की रफ्तार के लिए प्राधिकार प्राप्त किया गया।

राधिकापुर (भारत) से बिराल (बंगलादेश) तक अंतर्राष्ट्रीय रेल मार्ग बड़ी लाइन में परिवर्तित

राधिकापुर (भारत) से बिराल (बंगलादेश) तक अंतर्राष्ट्रीय रेल मार्ग बड़ी लाइन में परिवर्तित करके पूरा कर लिया गया है। उपर्युक्त सेक्टर में ट्रांजिट सुविधा दिनांक 01.04.2005 से बाधित है। एमओयू के अनुसार दिनांक 15.08.1978 को बंगलादेश तथा भारत के बीच हुए करार में सामग्रियों के ट्रांसशिपमेंट के लिए बंगलादेश तथा नेपाल के बीच स्थलीय ट्रांजिट यातायात को सुगम बनाने के लिए सहमति दी गई थी। सीआरएस/पू. सी. सर्किल द्वारा दिनांक 02.12.2016 को राधिकापुर से जीरो प्वाइंट अर्थात 'नो मैंस लैंड' तक 50 कि.मी. प्रतिघंटा का प्राधिकार दिया गया है।

पिछले तिमाही के कुछ संक्षिप्त समाचार

o दिनांक 30.10.2016 को बोगीबिल पुल के 26वें गर्डर को लांच किया गया।

o दिनांक 31.10.2016 को देश की एकता, अखंडता तथा देश की सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से "राष्ट्रीय एकता दिवस" के उपलक्ष्य में महाप्रबंधक/निर्माण कार्यालय परिसर में एक शपथ ग्रहण समारोह आयोजित की गई।

o दिनांक 01.12.2016 को बोगीबिल पुल के 27वें तथा दिनांक 27.12.2016 को 28वें गर्डर को लांच किया गया।

o जिरिबाम-इंफाल नई लाइन परियोजना के जिरिबाम-धोलाखाल (12.50 कि.मी.) ब्लॉक सेक्शन को पूरा किया जा चुका है और सीआरएस निरीक्षण के लिए तैयार है।

o दिनांक 16.12.2016 को नई दिल्ली में "पूर्वोत्तर राज्यों में रेल संयोजन का विस्तार" पर रेल मंत्रालय के संसदीय सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई।

o पूर्वोत्तर सीमा रेलवे में पहली बार अगरतला स्टेशन परिसर में स्वचलित प्रेसेराइज्ड कोच फिलिंग, जेट क्लीनिंग, इफ्लूएंट ट्रीटमेंट एवं वाटर रि-सर्कुलेशन सुविधा सहित जल प्रबंधन प्रणाली का शुभारंभ किया गया।

o दिनांक 27.11.2016 को अगरतला स्टेशन परिसर में लिमिट स्टेट डिजाइन एवं फ्रेम्ड स्टील स्ट्रक्चर सहित सिकशेड सह डेमू शेड का शुभारंभ किया गया।

मुर्कोंगसेलेक और पासीघाट स्टेशन को जोड़ने वाली नई रेलवे लाइन

पासीघाट में सियांग नदी का दृश्य

मुर्कोंगसेलेक स्टेशन और ऐतिहासिक पासीघाट स्टेशन को संयोग करने वाली नई रेलवे लाइन परियोजना अरूणाचल प्रदेश के मुर्कोंगसेलेक स्टेशन और ऐतिहासिक पासीघाट स्टेशन को संयोग करने वाली नई रेलवे लाइन अरूणाचल प्रदेश की प्रमुख रेल परियोजना है जिसे रक्षा मंत्रालय की निधि से पोषित किया जाएगा। इस लाइन के अंतर्गत 23.55 कि.मी. अरूणाचल प्रदेश में तथा 2.60 कि.मी. असम में पड़ता है। इस लाइन पर तीन नए रेलवे स्टेशन रानी (सीएच 21.50 कि.मी.), सीले (सीएच 15.60 कि.मी.), पासीघाट (सीएच 26.15 कि.मी.) है। भारतीय रक्षा तंत्र की आवश्यकताओं की पूर्ति करने के अलावा यह लाइन पासीघाट से देश के अन्य स्थानों एवं मार्ग में आने वाले गांवों को प्रत्यक्ष रूप से बड़ी लाइन की सेवा मुहैया कराएगी। यह रेलवे लाइन अरूणाचल प्रदेश के ईस्ट सियांग जीले के रूकसिन, नगरलांग, सीले, रानी और यागरंग आदि गॉवों से होकर गुजरती है।

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

पूर्वोत्तर सीमा रेल (निर्माण संगठन) की (अक्टूबर-दिसंबर,2016) तिमाही के लिए आयोजित क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक दिनांक 27.1.2017 को श्री एच.के. जग्गी, महाप्रबंधक/नि की अध्यक्षता में आयोजित की गई। क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का शुभारंभ मुख्य राजभाषा अधिकारी (निर्माण) ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए किया। मुख्य राजभाषा अधिकारी/निर्माण ने बताया कि पिछली बैठक के दौरान लिए गए निर्णयों पर हम अमल कर रहे हैं। तिमाही के दौरान मुख्यालय के अंतर्गत विभिन्न कार्यालयों में क्रमशः राजभाषा अधिनियम धारा 3 (3), मूल पत्राचार, हिंदी डिक्टेशन तथा हिंदी टिप्पण एवं नोटिंग में आशा अनुरूप उपलब्धि प्राप्त कर ली गई है। उन्होंने आगे कहा कि हिंदी में शत-प्रतिशत कामकाज करने के लिए विनिर्दिष्ट अनुभागों में भी शत-प्रतिशत (100%) काम हिंदी में किया जा रहा है। तत्पश्चात श्री रवि भूषण. उप मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि ने अक्टूबर-दिसंबर,2016 तिमाही के लिए प्रतिवेदन "पॉवर प्वाइंट" पर प्रस्तुत किया। महाप्रबंधक/नि ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में सभी सदस्यों का हार्दिक अभिनंदन करते हुए कहा कि बैठक निश्चित समय-सीमा के अंतराल पर आयोजित की जा रही है तथा यह बैठक तिमाही के दौरान हिंदी के प्रसार-प्रचार के बारे में आने वाली कठिनाईयों और उन्हें दूर करने के उपायों की समीक्षा करने का मौका प्रदान करती है और नियमित रूप से चर्चा के द्वारा अधिकारियों और कर्मचारियों में राजभाषा हिंदी में कार्य करने में एक नई स्फूर्ति आएगी। इस बैठक में रेल हिंदी सलाहकार समिति के प्रेक्षक सदस्य डा.देवेन चंद्र दास सुदामा भी उपस्थित रहे तथा उन्होंने पूर्वोत्तर सीमा रेल/निर्माण संगठन द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए उठाए गए कदमों को भी सराहा एवं उपस्थित अधिकारियों तथा कर्मचारियों को अपना बहुमूल्य सुझाव भी दिया।

"विश्वास वह पक्षी है
जो प्रभात के पूर्व अंधकार
में ही प्रकाश का अनुभव करता
है और गाने लगता है।"

-रवीन्द्रनाथ टैगोर